

वर्ष - 10

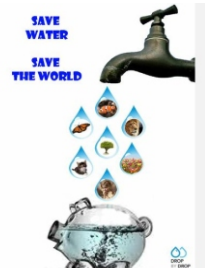
अंक- 02

पृष्ठ- 04

नववर्ष 2019 की हार्दिक शुभकामनाएं

हर खबर पर नजर, निष्पक्ष हिन्दी समाचार पत्र

# गालव्य



P.R. NO. WB/ASL/01/

20 जनवरी 2019

GOVT. OF INDIA/R.N.I. NO. WBHIN/2010/34090

DIO Approved

मूल्य 2 ₹

## ब्रिगेड रैली भाजपा के लिए मृत्यु घंटा : ममता 25 लाख लोगों का सभा में आने की उम्मीद

गंतव्य कोलकाता ब्यूरो : 19 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की प्रस्तावित महारैली की तैयारियां पूरी हो गई। यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नहीं आने के बावजूद विपक्ष के कई



के उस रिकार्ड को तोड़ने की है। कांग्रेस की ओर से लोकसभा में पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे रैली में हिस्सा लेंगे। उनके अलावा जिन अन्य नेताओं ने रैली में आने की पुष्टि की है उनमें तीन मुख्यमंत्री- दिल्ली के अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबु नायडू और

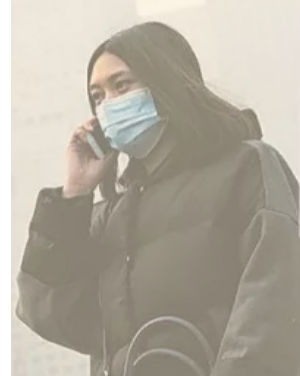
दिग्गज नेताओं ने इसमें शामिल होने की पुष्टि कर दी है। ममता बनर्जी इस रैली में भीड़ के अब तक के तमाम रिकार्ड जोड़ना चाहती हैं। यही वजह है कि शुक्रवार से ही राज्य के विभिन्न जिलों से

तृणमूल समर्थकों का पहुंचना शुरू हो गया है। ज्ञात रहे कि कोलकाता में अब तक वर्ष 1977 में माकपा की ओर से आयोजित रैली को ही सबसे बड़ी रैली माना जाता है। ममता की निगाहें भीड़

कर्नाटक के एच.डी. कुमारस्वामी के अलावा विपक्षी अन्य कई पार्टियों के नेता भी उपस्थित रहेंगे। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा है कि यह महारैली केंद्र में भाजपा की अगुवाई

## गैस चेंबर बन गई है दिल्ली रहने लायक नहीं सुप्रीम कोर्ट, सरकार के रहमोकरम पर निर्भर नहीं रह सकती।

परियोजना आपके रहमोकरम पर निर्भर नहीं रह सकती, यह दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण



गंतव्य ब्यूरो (नई दिल्ली) : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण और ट्रैफिक जाम पर लगाम कसने में

नाकामी पर निराशा जताते हुए कहा कि दिल्ली में ना रहना बेहतर है क्योंकि यह 'गैस चेंबर' की तरह हो गई है। पीठ ने यह भी कहा कि दिल्ली, गाजीयाबाद और मेरठ को जोड़ने वाला कॉरिडोर 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) बहुत जरूरी है और यह दिल्ली सरकार के रहम पर निर्भर नहीं रह सकती। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा, 'सुबह

## 7 फरवरी 2019 को आयोजित होने वाला राज्य युवा संसद



(पीआईबी)-न्यूज : राज्य स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम 7 फरवरी 2019 को जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया जायेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), कोलकाता की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती सरिता पटेल ने सूचित करते हुए कहा कि जिला और राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतियोगिताएं होंगी। पश्चिम बंगाल के 23 नामित जिलों में जिला स्तरीय युवा संसद 24 से 28 जनवरी तक होगी। जिला स्तर से चयनित युवा राज्य स्तर पर भाग लेंगे जो 7 फरवरी

2019 को जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया जायेगा। राज्य स्तर पर चयनित युवा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जो फरवरी 23 और 24, 2019 को आयोजित की जायेगी। नेशनल लेले में सर्वश्रेष्ठ तीन वक्ताओं को 2, 1.5 और 1 लाख रुपये के अलावा योग्यता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। नेशनल युथ पार्लियामेंट फेस्टिवल 2019 का आयोजन "न्यू इंडिया की आवाज बनें" और "समाधान खोजें और नीति में योगदान करें" के विषय पर किया गया है। 18-25 वर्ष के युवाओं को जिला युवा संसदों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। डिजिटल स्क्रीनिंग से अधिकतम 50 सर्वश्रेष्ठ वक्ता और प्रत्येक जिले में स्क्रीनिंग

## तीस लाख श्रद्धालुओं ने लगाई गंगासागर में डुबकी 20 ड्रोन 800 सीसीटीवी दो सौ बैलून कैमरे व सेटेलाइट फोन उपलब्ध



गंतव्य संवाददाता (कोलकाता) : यहां दक्षिण 24-परगना जिले के सागरद्वीप पर आयोजित सलाना गंगासागर मेले के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा पड़ोसी बांग्लादेश व नेपाल के लगभग 30 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा व बंगाल की खाड़ी के संगम (गंगासागर) में डुबकी लगाई। राज्य सरकार के सुत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पंचायत व



ग्रामीण विकास मंत्री सुब्रत मुखर्जी, बिजली मंत्री शोभनदेव चटर्जी और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरूण विश्वास को तीर्थयात्रियों के लिए इंतजाम के निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मुखर्जी ने कहा कि पीछले साल 20 लाख तीर्थयात्री मेले में पहुंचे थे, लेकिन इस साल 30 लाख से ज्यादा लोग यहां आये हैं। इस सलाना मेले में देश-विदेश से लाखों लोग गंगासागर

में डुबकी लगाने पहुंचते हैं। मंत्री मुखर्जी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद समय-समय पर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रही हैं। सरकारी सूत्रों की मानें तो मेले में अब तक दिल का दौरा पड़ने से चार लोगों की मौत हुई है। सरकार ने मेला परिसर में सुरक्षा का बेहद मजबूत इंतजाम किया है। भारी तादाद में सुरक्षाकर्मियों व स्वयंसेवकों के अलावा नौसेना के गोताखोर भी तैनात किए गए। बहु इंतजामात के अलावा एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारतीय कोस्टगार्ड ने भी गंगासागर मेले के दौरान इलाके में निगरानी बढ़ाते हुए सुरक्षा को चाक चौबन्ध किया है।

## पोल खोल



## पॉवर जेनरेशन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट में व्यक्तिगत रोल प्ले कर सकता है : रामदास अठालवे



कोलकाता पीआईबी (18 जनवरी 2019) : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री रामदास अठालवे अपने दो दिवसीय दौरे पर धनबाद के मैथन डेप में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि थर्मल और हाइड्रल पॉवर जेनरेशन देश के आर्थिक

विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। दामोदर घाटी निगम में सिंचाई और बिजली उत्पादन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि 1948 में गठित डीवीसी भारत में बिजली के क्षेत्र में अग्रणी है। दामोदर नदियों के उपर 4 बांधों अर्थात् मैथन, पंचेत, तिलथ्या और कोनार के साथ

7400 मेगावाट स्थापित क्षमता की क्षमता थी। उनका डीवीसी का यह दौरा डॉ बी आर अंबेडकर के सम्मान के रूप में किया। जिन्होंने देश में डीवीसी की निंव और जल संसाधन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंत्री ने डीवीसी के अधिकारियों संग महत्वपूर्ण बैठक भी की। इससे पूर्व मंत्री आसनसोल में माड़वारी समुदाय द्वारा स्वागत कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बात पर जोड़ दिया कि केंद्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता लाने की जरूरत है, जो लोगों के लाभ के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को सरकार की पहलों के बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि वो इसका उपयोग सभी समुदायों के विकास और अपने बेहतरी के लिए कर सकें।



## उलझनों में आरक्षण

सांसद के दोनों सदनों में संविधान के 124वें संशोधन के पास होने से सामान्यवर्ग के कम धनवान पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए नौकरियों और उच्च शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि इसे लेकर कई उलझनें अभी बची हुई हैं। संविधान में प्रस्तुत आरक्षण की अवधारणा का यह अतिक्रमण करता है। संविधान में रिजर्वेशन के आधार के रूप में सामाजिक पीछड़ेपन की चर्चा है, पर आर्थिक पीछड़ेपन का जिक्र भी नहीं है। यह ठीक है कि अपने फैसले को अमल में लाने के लिए सरकार ने संविधान में संशोधन किया, पर ऐसा कोई भी संशोधन तभी मान्य होगा जब वह संविधान के बुनियादी चरित्र में कोई तब्दीली न करता हो। यह न्यायपालिका तय करेगी कि आर्थिक आधार पर आरक्षण संविधान के मूल चरित्र का उलंघन है या नहीं? दूसरी उलझन यह है कि इस कदम से आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दायरा टूटेगा। कोर्ट ने व्यवस्था दे रखी है कि आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकता। कई राज्यों ने इस व्यवस्था को बाइपास करने के तरीके खोज लिए हैं, लेकिन सरकार के इस फैसले से आरक्षण की सीमा पूरे देश में न्यूनतम 595 फीसदी हो जायेगी। ऐसे में आशंका बनती है कि सामान्य वर्ग को रिजर्वेशन देने का यह कानून कहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा निरस्त न कर दिया जाय। अब तक के अनुभव बताते हैं कि कोर्ट ने तस मानदंडों से हटकर आरक्षण देने के प्रयासों को स्वीकार नहीं किया है। 25 सितंबर 1991 को तत्कालीन नरसिंह

राव सरकार ने सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था, मगर सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच ने 'इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार' केस के फैसले में इसको यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरक्षण का आधार आय व संपत्ति को नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद 16(4) में आरक्षण समूह को है, व्यक्ति को नहीं। इसी तरह वर्ष 2015 में राजस्थान सरकार और 2016 में गुजरात सरकार द्वारा आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। मान लीजिए, मादी सरकार के फैसले को कोर्ट ने स्वीकृति दे भी दी तो इसे अमल में लाने से कई जटिलताएँ पैदा होंगी। गरीबी का दायरा इसमें इतना व्यापक रखा गया है कि डर है, कहीं किसी परीक्षा में आरक्षित कोटे का कट ऑफ सामान्य वर्ग से ज्यादा ना हो जाय। विडंबना यह है कि एक तरफ देश में सरकारी नौकरियाँ दिनों-दिन कम हो रही हैं, दूसरी तरफ सरकार युवाओं को रिजर्वेशन देकर अपनी पीठ थपथपा रही है। ऐसे में यह सिर्फ एक मनोवैज्ञानिक उपाय लगता है। जिसका कोई ठोस लाभ नहीं मिलने वाला। सच्चाई यही है कि आरक्षण की गाय जितनी दुही जा सकती थी, उतनी दुही जा चुकी है। सरकार युवाओं के लिए कुछ करना चाहती है तो रोजगार बढ़ाने वाली नीतियाँ अपनाएँ और ढेरों प्रोफेशनल कॉलेज खोलें जहाँ सबको अपनी क्षमता निखारने का मौका मिले।

राजेंद्र नाथ झा

संपादकीय

## ग्रामीण शिक्षा में बदहालीपन

गांवों में स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के सरकारी वादों और दावों के बावजूद सच यह है कि आधे छात्र अपनी कक्षा से निचली कक्षाओं की किताबें पढ़ने और गणित के मामूली सवाल हल करने में अक्षम हैं। स्वयंसेवी संस्था प्रथम की सालाना असर रिपोर्ट ने ऐसे अनेक चिंताजनक तथ्यों को रेखांकित किया है। यह रिपोर्ट देश के 596 जिलों के 354944 परिवारों के तीन से 16 साल की उम्र के 546527 बच्चों के सर्वेक्षण पर आधारित है। भले ही कुछ मामलों में गिने-चुने राज्यों के आंकड़े देश के अन्य हिस्सों से बेहतर हैं, पर निचली कक्षाओं में मामूली सुधार को छोड़ दें तो पूरे देश में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। ग्रामीण भारत सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्तर पर भयावह पिछड़ेपन से लगातार जूझ रहा है। ऐसे में किसी कक्षा के आधे या एक फीसदी छात्रों के आधे या अपने से निचली कक्षा के पाठ को पढ़ने में पहले की तुलना में सक्षम होने के आंकड़े से संतोष करना या उसे उपलब्धि मानना देश के भविष्य के प्रति आपराधिक लापरवाही करना होगा। सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा के अधिकार कानून, शिक्षा अधिकार की वसूली जैसे उपायों के बावजूद अगर ग्रामीण छात्र शिक्षित नहीं हो पा रहे हैं तो यह सरकार

और समाज की सोच और दिशा पर बड़ा सवालिया निशान है। असल रिपोर्ट का एक संकेत यह भी है कि आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों- विहार, झारखंड, बंगाल, असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि में समस्या तुलनात्मक रूप से अधिक गंभीर है। झारखंड, बंगाल, बिहार, गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडू में तो पढ़ने की क्षमता पिछली रिपोर्ट के आंकड़ों से भी कम हुई है, लेकिन यह तथ्य भी चिंताजनक है कि केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में स्कूलों में बच्चियों के लिए शौचालय की व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। सरकारी स्कूलों की बदहाली का एक नतीजा बच्चों को निजी स्कूलों की ओर रुख करने के रूप में सामने है। इन स्कूलों पर ना तो कोई नियमन है और ना ही गुणवत्ता सुनिश्चित करने की कोई व्यवस्था। वहाँ अभिभावकों को मंहगा शुल्क तो चुकाना पड़ रहा है, पर बेहतर शिक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती। बुनियादी पठन-पाठन से रहित छात्रों को कौशल प्रशिक्षण दे पाना भी मुश्किल होगा। हमारा देश उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है, जो शिक्षा पर अपने सकल घरेलू उत्पादन(जीडीपी) का मामूली हिस्सा ही खर्च करते हैं। इसे बढ़ाने की जरूरत है।

## स्वामी विवेकानन्द के 157वां जयंती पर विशेष



शिकागो के विश्व धर्म परिषद में स्वामी विवेकानन्द

अपने उन्तालीस वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में स्वामी विवेकानन्द जो काम कर गए वे आने वाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करते रहेंगे। तीस वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो अमेरिका के विश्वधर्म सम्मेलन में हिन्दु धर्म का प्रतिनिधित्व किया और उसे सर्वभौमिक पहचान दिलावायी। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने कहा था-“यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानन्द को पढ़िये। उनमें आप सबकुछ सकारात्मक ही पाएँगे, नकारात्मक कुछ भी नहीं।” रोमा रोलां ने उनके बारे में कहा था- “ उनके द्वितीय कोने की कल्पना करना भी असम्भव है। वे जहाँ भी गए सर्वप्रथम ही रहे। हर कोई उनमें अपने नेता का दिग्दर्शन करता था। वे ईश्वर के प्रतिनिधि थे और सबपर प्रभुत्व प्राप्त कर लेना ही उनकी विशिष्टता थी। हिमालय प्रदेश में एकबार एक अनजान यात्री उन्हें देख ठिठक कर रुक गया और आश्चर्यपूर्वक चिल्ला उठा- ‘शिव!’ यह ऐसा हुआ मानो उस व्यक्ति के आराध्य देव ने अपना नाम उनके माथे पर लिख दिया हो।” वे केवल संत ही नहीं, एक महान देशभक्त, वक्ता विचारक, लेखक और मानव प्रेमी भी थे। अमेरिका से लौटकर

उन्होंने देशवासियों का आह्वान करते हुए कहा था-“ नया भारत निकल पड़े माची की दुकान से भड़भूँजे के भाड़ से, कारखाने से हाट से, बाजार से, निकल पड़े झाड़ियों जंगलों, पहाड़ों पर्वतों से।” और जनता ने स्वामीजी की पुकार का उत्तर दिया। वह गर्व के साथ निकल पड़ी। गांधीजी को आजादी की लड़ाई में जो जन-समर्थन मिला, वह विवेकानन्द के आह्वान का ही फल था। इस प्रकार वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के भी एक प्रमुख प्रेरणा के स्रोत बने। उनका विश्वास था कि पवित्र भारतवर्ष धर्म एवं दर्शन की पूण्यभूमि है। यहीं बड़े-बड़े महात्माओं व ऋषियों का जन्म हुआ। यही सन्यास एवं त्याग की भूमि है तथा यहीं केवल आदिकाल से लेकर आज तक मनुष्य के लिए जीवन के

लिए सर्वोच्च आदर्श एवं मुक्ति का द्वार खुला हुआ है। उनके कथन, “उठो, जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ। अपने नर जन्म को सफल-करो और तबतक नहीं रुको जबतक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाय।” उन्नीसवीं सदी के आखिरी वर्षों में विवेकानन्द लगभग सशस्त्र या हिंसक क्रांति को जरिए भी देश को आजाद करना चाहते थे। परन्तु उन्हें जल्द ही यह विश्वास हो गया था कि परिस्थितियाँ उन इरादों के लिए अभी परिपक्व नहीं हैं। इसके बाद



स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति मुम्बई स्ट्रीट पर

ही विवेकानन्द ने ‘एकला चलो’ की नीति का पालन करते हुए एक परिव्राजक के रूप में भारत और दुनियाँ को खंगाल डाला। उन्होंने कहा था कि मुझे बहुत से युवा संन्यासी चाहिए जो भारत के गाँवों में फैल कर देशवासियों की सेवा में खप जाएँ। उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ। उन्होंने धर्म को मनुष्य



कोलकाता स्थित स्वामी विवेकानन्द का मूल जन्मस्थान

## सूनसान होते खेत, एक लघु कथा

जगत अपने कामकाज निपटा कर ट्रैन पकर चुका था, पिछले छः महीने बाद वो अपने घर लौट रहा था। परदेश में कमाकर वह गाँव में खेती करता था। बरसात के मौसम चल रहे थे, इसलिए वो खेतों के बारे में सोचता हुआ झपकी ले रहा था, उसके साथ कुछ और लोग भी उसी की तरह गाँव लौट रहे थे। जगत बोला-भगत भाय इस बार बारिस अच्छी हुई है अपना गाँव हरा-भरा होगा, है न? भगत-जरूर होगा भगवान ने चाहा तो फसल अच्छी होगी और हमें परदेश आने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन बाढ़ का अंदेश भी उतनी ही रहती है। जगत-शुभ बोलो भाय बाढ़ के नाम से कलेजा कांप जाता है। इन्हीं विचारों के साथ वे लोग अपने स्टेशन सुबह नौ बजे उतर गए और सवारी लेकर अपने गाँव चल पड़े। जगत और भगत चारों तरफ हरीयाली खेत-खलिहान देखकर गौरव महसूस कर रहे थे। दोनों अपने परिजनों से मिलकर अपने-अपने खेतों में चले जाते हैं और फसल देखकर खुश हो जाते हैं। शाम को घर पर जगत और भगत बातचीत करते हैं कि इतने में जोर की बारिस शुरू हो

जाती है और पूरी रात बरसती है। सुबह रेडियो पर समाचार प्रसारित होता है कि नेपाल से कई लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जायेगा, नदी के आसपास के लोगों को एलर्ट किया जाने लगा, अफरा-तफरी का माहौल, सभी अपने जरूरतों के सामान जुटाने में लग गए, आज खेतों पर कोई नहीं गया। किसी तरह सुबह से शाम हुई और फिर रात। पानी सचमुच छोड़ा गया कई दिनों तक दबाव को रोका गया, लेकिन आखिरकार बाँध पर पानी का दबाव ज्यादा होने से वह टूट गया और देखते ही देखते सारा गाँव और खेत जललीला में समा गया। जगत भगत के सपने भी इसी जल लीला के भेट चढ़ गया, जगत खुब रोया लेकिन प्रकृति की इस विनाश लीला को सुनाई कैसे दे? इस तरह जगत-भगत जैसे लाखों किसानों की फसल तबाह हो गई और परदेश की कमाई जो फसल पर लगी थी वो भी ये दोहरी बर्बादी न जाने कब तक होती रहेगी और बाढ़ की विभीषिका झेलने को कब तक

विश्व होते रहेंगे।मुआवजे के चंद खनापूर्ति क्या जगत-भगत के आत्मविश्वास लौटा पाएँगे।



की सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था। स्वामी जी ने संकेत दिया था कि विदेशों में भैतिक समृद्धि तो है और उसकी भारत को जरूरत भी है, लेकिन हमें याचक नहीं बनना चाहिए। हमारे पास उससे ज्यादा बहुत कुछ है जो हम पश्चिम को दे सकते हैं और पश्चिम को उसकी बेसक जरूरत है। यह स्वामी विवेकानन्द का अपने देश की धरोहर के लिये दम्भ या बड़बोलापन नहीं था। यह एक बेदान्ती साधु की भारतीय सभ्यता और सांस्कृतिक की तटस्थ, वस्तुपरक और मूल्यगत आलोचना थी। बीसवीं सदी के इतिहास ने बाद में उसी पर मुहर लगाई। उनके व्यक्तित्व एवं उनके आदर्श को आज भी देश के बच्चे, बुढ़े, जवान उसे अपने धरोहर के रूप में संजोये हुए हैं।



## पृष्ठ 1 का शेष गैस चेंबर बन गई है दिल्ली.....

और शाम, बहुत प्रदूषण और ट्रैफिक जाम रहता है। दिल्ली में ना रहना बेहतर है। मैं दिल्ली में बसना नहीं चाहता। दिल्ली में रहना मुश्किल है। न्यायमूर्ति मिश्रा और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने कहा कि ये समस्याएँ जीवन जीने के अधिकार को प्रभावित करती है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने यातायात की समस्या बताने के लिए एक उदाहरण देते हुए कहा कि वे शुक्रवार की सुबह ट्रैफिक में फंस गए और शीर्ष अदालत में दो न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंच नहीं सके। अदालत की न्यायमित्र के रूप में मदद कर रही अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पीठ से कहा कि दिल्ली प्रदूषण के कारण गैस चेंबर बन गई है। इस पर, न्यायमूर्ति गुप्ता ने सहमति जताई, 'हाँ, यह गैस चेंबर की तरह है। अपराजिता ने अदालत से कहा कि अधिकारी हमेशा कहते हैं कि वे प्रदूषण कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन वास्तविकता अलग है। न्यायमूर्ति मिश्रा और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने कहा

आरआरटीएस परियोजना दिल्ली की जनता के लिए महत्वपूर्ण है। शीर्ष अदालत को बताया गया कि अनुमानित लागत 31902 करोड़ रुपये है। दिल्ली सरकार का हिस्सा 1138 करोड़ रुपये का है। वह केंद्र से यह राशि प्राप्त करना चाहती है, क्योंकि उसका कहना है कि उसके पास पैसा नहीं है। करीब ८२ किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में दिल्ली में 13 किलोमीटर का हिस्सा होगा और इसमें सराय काले खां, न्यू आशोक नगर और आनंद बिहार स्टेशन होंगे। वायु प्रदूषण के मामले में न्यायमित्र के रूप में शीर्ष अदालत की मदद कर रही अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पीठ को बताया कि गतिरोध इसलिए बना हुआ है, क्योंकि दिल्ली सरकार अपने हिस्से का कोष केंद्र से चाहती है। न्यायमित्र ने कहा कि आरआरटीएस बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। यह दिल्ली में भीड़भाड़ कम करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार की ओर से समस्या सुलझाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है।

## पृष्ठ 1 का शेष ब्रिगेड रैली भाजपा के लिए मृत्यु.....

वाली एनडीए सरकार के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का तो यहां तक कहना है कि आगामी 19 जनवरी को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विरोधी दलों की रैली लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए मृत्यु घंटा साबित होगी और 2019 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय दल निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 125 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों की सीटें भाजपा की सीटों से कहीं ज्यादा होंगी। क्षेत्रीय दलों का फेडरल फ्रंट चुनाव के बाद निर्णायक

भूमिका निभाएगा। एक सवाल के जवाब में ममता ने कहा कि भाजपा के लिए रैली की ध्वनि मृत्यु घंटे के समान होगी। शनिवार को महानगर में होने वाली एतिहासिक ब्रिगेड रैली के सील पर भी मुख्यमंत्री गई और मंच की तैयारियों का जायजा लिया। राष्ट्रहित में केंद्र में सत्ता परिवर्तन की शुरुआत इसी रैली से होगी। ममता के मुताबिक, उक्त रैली कश्मीर से कन्याकुमारी तक के तमाम विपक्षी दलों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाएगी। इसके अलावा बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत भी इसी रैली से होगी।

## पृष्ठ 1 का शेष 7 फरवरी 2019 को आयोजित होने वाला.....

समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट की गई वॉक-इन प्रक्रिया के 50 सर्वश्रेष्ठ वक्ता जिला युवा संसदों में भाग लेंगे। प्रत्येक जिला युवा संसद के एक निर्णायक मंडल द्वारा चुने गए सर्वश्रेष्ठ तीन वक्ता राज्य युवा संसद में भाग लेंगे। इसी तरह प्रत्येक राज्य युवा संसद से

## कैविनकेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी के लिए तैयार

कोलकाता, 11 जनवरी 2019: अपने व्यक्तिगत देखभाल पोर्टफोलियो के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कैविनकेयर ने आज अपने प्रमुख फेयरनेस ब्रांड फेयरवर को नए रूप में फिर से लांच करने की घोषणा की। एक प्राकृतिक मोड़ के साथ उत्पादों में अवसरों को भुनाने का लक्ष्य रखेगी। कंपनी के निदेशक और सीईओ वेंकटेश विजयराघवन ने कहा कि "भारत में त्वचा की देखभाल का बाजार दिन-प्रतिदिन उपभोक्ता प्राथमिकताओं

में गतिशील बदलाव देख रहा है। उद्योग में विकास को बढ़ावा देने वाले रुझानों में पहला प्रकृतिक उत्पादों के लिए उपभोक्ताओं में रुचि बढ़ाना और दूसरा सौंदर्य शास्त्र के बारे में जागरूकता। 1600 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले, कैविनकेयर ने बड़े पैमाने पर मील के पथर हासिल किए हैं और सामूहिक विपणन गतिशीलता की ध्वनि को समझते हुए राष्ट्रीय बाजार के प्रतिस्पर्धात्मक में एक मजबूत स्थान को प्राप्त कर लिया है।

## घड़ल्ले से मदनपुर और श्यामपुर में चल रहे अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ होगी कार्रवाई - डीएम

गंतव्य दुर्गापुर (कार्यालय) : दुर्गापुर नगरनिगम के वार्ड संख्या 43 के अंतर्गत श्यामपुर एवं अंडाल ब्लॉक के मदनपुर ग्राम पंचायत स्थित नदी घाट पर अवैध ढंग से बालू उत्खनन का कारोबार घड़ल्ले से चलाया जा रहा है। ज्ञात रहे कि दुर्गापुर में आयोजित प्रशासनिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। जिसके पश्चात श्यामपुर और मदनपुर इलाके में चल रहे अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बलू से लदे ट्रकों को पकड़ा था, जिससे अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा था। आरोप है कि मदनपुर और श्यामपुर ग्राम पंचायत में कुछ सत्ताधारी नेताओं की मिलीभगत से ही अवैध बालू उत्खनन का कारोबार चल रहा है। सोमवार को अंडाल ब्लॉक कार्यालय में बीडीओ रितिक हाजरा, सभापति कालो वरुण मंडल,

बीएलआरओ के अलावा पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में इलाके में चलाए जा रहे अवैध बालू उत्खनन को लेकर एक प्रशासनिक बैठक की गई। इस मौके पर उपस्थित कालो वरुण मंडल ने इस अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ दोलन के मुद्दे में दिखे। इस बैठक में सभी बालू घाटों पर टोल टैक्स लगाए जाने पर फैसला लिया गया। आरोप है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से ही इलाके में अवैध बालू का धंधा जोर-शोर से चलाया जा रहा था। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि छापेमारी से पहले बालू माफियाओं को जानकारी दे दी जाती है। इस बैठक के बाद से ही अंडाल ब्लॉक अंतर्गत चल रहे बालू उत्खनन का मामला काफी गरमा गया है। इस बारे में अंडाल ब्लॉक के सभापति कालू वरुण मंडल ने कहा कि इलाके में चल रहे अवैध बालू उत्खनन के कारण राजस्व को भारी नुकसान हुआ है। पिछले ७ महीने के दौरान

स्थानीय विभिन्न बालू घाटों से सरकार को सिर्फ 75 लाख 57 हजार रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि 7 महीने में 8 करोड़ रुपये का फायदा सरकार को होने चाहिए था। इस तरह देखा जाय तो केवल 7 महीनों में सरकार को 7.24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थानीय विभिन्न बालू घाटों से प्रत्येक दिन 500 ट्रक बालू बेचे जा रहे हैं। बालू के कोरोबारी मनमानी कीमतों पर बालू बेच रहे हैं। राज्य सरकार को नुकसान की जानकारी दी जायेगी। आरोप है कि इस अवैध कारोबार में कुछ तृणमूल नेता शामिल हैं। खबर है कि इस बैठक में अंडाल थाना के कोई उच्च अधिकारी मौजूद नहीं थे। ज्ञात रहे कि राज्य सरकार के आदेशानुसार 17 जून के बाद किसी भी बालू घाट से बालू लोडिंग एवं अनलोडिंग पर पाबंदी है। इस तरह देखा जाय तो सरकारी आदेश का उलंघन है।

## सर्तकता बरतें कैसर से घबड़ाएँ नहीं



गंतव्य (सांकतोड़िया) संवाद : विप्ल ने बुधवार को ईसीएल मुख्यालय स्थित सीएमडी के सम्मेलन कक्ष में कैसर जागरूकता और सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया। उद्घाटन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक प्रेम सागर मिश्रा, वित्त निदेशक संजीव सोनी तथा कार्मिक निदेशक विनय रंजन ने

किया। सीएमओ डॉ बिद्युत गुहा, महाप्रबंधक (ईई) के पी वरला, सांकतोड़िया अस्पताल के सीएमओ एस के सिन्हा, सीएमडी के तकनीकी सचिव नीलाद्री राय, उपमहाप्रबंधक प्रशासन पी के पात्र, विप्ल की संयोजक सपना मंडल डॉ० चैताली बासु आदि उपस्थित थीं। सीएमडी श्री

मिश्रा ने विप्ल को बधाई देते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ पाने के लिए सहयोग और सहभागिता जरूरी है। कंपनी में पांच हजार महिलाएँ हैं, वह कुल श्रमिक संख्या का 1.6 फीसदी है। संस्था को आगे बढ़ाने के लिए सभी को संकल्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि ईसीएल का दायित्व केवल कोयला खनन तथा डिस्पैच करना ही नहीं है, बल्कि आस-पास के ग्रामीण अंचल के लोगों के जीवन स्तर को भी उन्नत करना है। निदेशक विनय रंजन ने महिलाओं के ब्रेस्ट कैसर पर कहा कि इससे घबराएँ नहीं बल्कि परहेज करें, समय पर इलाज से निजात मिलेगी।

## शिक्षा प्राप्ति के साथ-साथ जागरूकता अभियान एक लक्ष्य



गंतव्य दुर्गापुर संवाद : जलपाईगुड़ी, डेंगुआजार पहाड़पुर नथवा पाड़ा निवासी छात्र तीर्थ कुमार रायसबूज साथी के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई साइकिल से सेफ ड्राइव सेव लाइफ के तहत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पश्चिम बंगाल का दौरा साकिल से करते हुए शुक्रवार को दुर्गापुर महकमा कार्यालय पहुंचा। महकमा कार्यालय में तीर्थ का स्वागत किया गया एवं उसके लिए पेयजल तथा भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस मौके पर डिप्टी टी मजिस्ट्रेट अभिजीत सामंत ने से एक प्रमाणपत्र देकर आगे की यात्रा के

लिए शुभकामनाएँ दी। इस बारे में तीर्थ कुमार राय ने कहा कि बचपन में ही माता-पिता के गुजर जाने के बाद पढ़ाई-लिखाई करने में उसे किसी का सहयोग नहीं मिला। इस दौरान सबुल साथी के तहत मिली साइकिल को उसने राज्य सरकार की योजना सेफ ड्राइव सेव लाइफ के तहत लोगों को जागरूक करने हेतु साइकिल से प्रत्येक ब्लॉक में भ्रमण करने का फैसला लिया। इस मौके पर तीर्थ कुमार राय ने कहा कि उसकी मां लक्खी राय एवं पिता सुशील चंद्र राय के गुजर जाने से वो बिलकुल अकेला पड़ गया था। साइकिल यात्रा नवान्न में पहुंचकर समाप्त की जायेगी जहां वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से आशीर्वाद लेने का प्रयास करेगा। तीर्थ ने कहा कि 16 मार्च 2016 को उसने साइकिल यात्रा शुरू की थी। साकिल यात्रा का समापन 15 मार्च 2019 को किया जायेगा। तीर्थ फिलहाल बीकॉम द्वितीय वर्ष का

छात्र है। उसने अबतक 259 ब्लॉक की यात्रा पूरी की है। उसने पुरुलिया रामकृष्ण मिशन से माध्यमिक एवं जलपाईगुड़ी के एक स्कूल से उच्च माध्यमिक की परीक्षा पास की है। अपने साइकिल यात्रा के दौरान तीर्थ विभिन्न स्कूलों में पहुंचा जहां से उसे विभिन्न शिक्षकों ने पढ़ाई पूरी करने हेतु पुस्तकें उपलब्ध कराई। विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों ने अर्थिक मदद कर उसका हौसला बढ़ाया। इस दौरान तीर्थ प्रत्येक दिन 140 किलोमीटर की यात्रा तय कर रहा है। उसने कहा कि राज्य अंतर्गत 341 ब्लॉक को पूरा करने का लक्ष्य है। इस दौरान तीर्थ ने 46 हजार किलोमीटर की यात्रा तय की है। साइकिल यात्रा के दौरान समय निकाल कर पढ़ाई भी करता है और उसने कुछ पुस्तकें भी लिखी है। इस मौके पर डिप्टी मजिस्ट्रेट अभिजीत सामंत ने उसकी प्रशंसा भी की।



# शत्रुघ्न सिन्हा का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

गंतव्य ब्यूरो (पटना) : बिहार की पटना साहिब सीट से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा ने एक बार फिर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने इशारों-इशारों में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की योग्यता पर भी सवाल उठा दिया। एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में शत्रुघ्न सिन्हा से जब केंद्रीय मंत्री न बनाए जाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा, मंत्री बनाना प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है, उन्होंने क्या किसी टेलीविजन एक्ट्रेस को सीधे मानव संसाधन विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दे उना कहां तक उचित है? एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में उन्होंने भाजपा को अपनी पार्टी बताते हुए कहा कि उन्होंने कभी पार्टी के खिलाफ नहीं बोला, अब भी पार्टी के खिलाफ नहीं बोल रहे हैं, बल्कि पार्टी



को आयना दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा “ सच बोलता रहा हूँ और बोलता रहूँगा।” ‘बिहारी बाबू के नाम से मशहूर फिल्म अभिनेता ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि राहुल में बहुत कम समय में जो परिपक्वता आई है, उसे अन्य पार्टी के अध्यक्षों को भी सीखना चाहिए। वो यहीं नहीं रुके आगे कहा कि वो धीरे से ही गांधी परिवार का फैन रहा हूँ। अगला लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश

के वाराणसी क्षेत्र लड़ने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा, ‘सिचुएशन चाहे जो भी हो लोकेशन यही होगा।’ भाजपा में वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पार्टी में उचित सम्मान न मिलने पर अपनी नाराजगी जाहीर करते हुए कहा भाजपा में आज ‘वन मैन शो, टू मैन आर्मी’ चल रही है। उन्होंने भाजपा पर व्यक्तिवाद चलने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी अब पहले वाली नहीं रही।

## लावारिस पड़े हजारों करोड़, नहीं आ रहे दावेदार



संजय सिंह : आज ज्यादा से ज्यादा रुपया कमाना हर इंसान का मकसद होता है और वह पूरी जिंदगी रुपयों के पीछे भागता भी है। यदि किसी को बैठे-बिठाये ऐसे ही रुपया मिल जाए तो फिर बात ही क्या, लेकिन कई बार इसका उल्टा होता है, यानि की रुपया इंतजार में बैठा रहता है कि कोई तो उसे लेने आये, जी हां सुनने में जरूर अजीब लग रहा होगा, लेकिन यह बात सच है। हमारे देश में

ही कुछ जगह ऐसी ही हैं। जहां हजारों करोड़ रुपया लावारिस पड़ा है, लेकिन उन्हें लेने के लिए कोई दावेदार नहीं आ रहा है। हम बात कर रहे हैं डाकघरों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भी शामिल हैं। देश के डाकघरों में कुल 9,395 करोड़ रुपये लावारिस पड़े हैं, जिनका कोई दावेदार ही नहीं है। सबसे ज्यादा 2,429 करोड़ रुपये किसान विकास पत्र के खातों में लावारिस पड़े हैं।

इसके बाद मंथली इनकम स्कीम में 2,056 करोड़ रुपये लावारिस पड़े हैं। इसी तरह एनएससी में भी 1,888 करोड़ रुपये का दावा करने वाला कोई नहीं है। इन डाकघरों में पड़े लावारिस पैसों में से लगभग आधे पैसे पश्चिम बंगाल, दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के पोस्ट ऑफिस में जमा हैं। ज्ञात रहे कि कुछ समय पहले इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम के खातों में भारी मात्रा में रकम दावारहित होने की बात सामने आई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2018 को दावारहित कुल रकम 15,166.47 करोड़ रुपये थी। ऐसी कंपनियों की सूची में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी जीवन बीमा निगम शीर्ष पर हैं। जिसके पास कुल 10,509 करोड़ जबकि निजी कंपनियों के पास ऐसी रकम 4,657.45 करोड़ रुपये का कोई दावेदार नहीं है।

The Executive Engineer, Burdwan Division, Housing Directorate has invited Opened Tender against NIT.No.04(S.No. 01 to 29) & NIT. No.05(SI.No. 01 to 22) for Annual Group Mtc. Work at different R.H.E, I.H.E & L.I.G under Bardwan Division, H.Dte. For the year 2019-20. The Last date and time of application. 29/01/2019 up to 2.00pm.

Details may be available from the office Notice Board on any working days within office hour.

Sd-  
Executive Engineer  
Burdwan Division, Housing Dte.

Memo No...19.. ICA/DGP Dt.15/01/2019

## ऑस्ट्रेलिया में भारत की ऐतिहासिक जीत करना पड़ा 71 साल का लंबा इंतजार



गंतव्य खेल संवाददाता : आज से 71 साल पहले किसी भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। इन 71 सालों में भारतीय क्रिकेट टीम ने कई बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया, लेकिन हर बार नाकामी ही उनके हाथ लगी। यदि सीरीज ड्रा करा ली तो उसे ही बड़ी उपलब्धि माना गया। आज 71 साल बाद विराट कोहली की भारतीय क्रिकेट टीम ने जो कारनामा कर दिखाया जो आज तक किसी भी एशियाई टीम से ना हो सका था। दरआल भारत दुनिया का पांचवां टेस्ट स्लेइंग देश बन गया है जिसने ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीती है। इससे पहले इंग्लैंड, वेस्ट इंडिज, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका यह कमाल दिखा चुके हैं। हालांकि सिडनी टेस्ट में चौथे दिन तक के खेल को देखते हुए यह लग रहा था कि भारत यह सीरीज 3-1 से जीत जायेगा, लेकिन इंद्र भगवान ऑस्ट्रेलिया पर एक बार फिर मेहरबान हो गए और सिडनी टेस्ट में हार का ख़तरा टाल दिया। हालांकि यह पहला मौका नहीं था जब बारिश ने भारत का खेल बिगाड़ा हो। इससे पहले भी कई मौकों पर बारिश भारत और जीत के बीच में दीवार बनकर खड़ी हुई है। यदि पर्थ टेस्ट के दो तीन

सेशन को छोड़ दिया जाय जिसमें भारत का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा, तो विराट कोहली की टीम ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम को हर मैदान में धूल चटाया। सिडनी टेस्ट के चौथे दिन का खेल जब समाप्त हुआ तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले पारी के 322 रनों से पिछड़ने के बाद नो फॉलो-ऑन करते हुए बिना किसी विकेट के नुकसान पर 6 रन बना लिए थे। कम रोशनी के कारण चौथे दिन खेल में महज 25.2 ओवर डाले जा सके थे। मैच के आखिरी दिन आज एक ओवर का खेल भी संभव नहीं हो सका और चायकाल से पहले अंपायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने भारतीय टीम की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। भारत की ओर से सबसे अधिक रन चेतेश्वर पुजारा ने बनाए। उन्होंने चार मैचों में 521 रन बनाए, वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 350 रन बनाये। जबकि विराट कोहली ने 282 रन बनाये। भारत की ओर से जसप्रीत बुम्रा ने सबसे अधिक 21 विकेट वहीं मो.शमी ने 16 विकेट चटकाए। चेतेश्वर पुजारा बने मैन ऑफ द सीरीज।



### PRODUCT SPECIFICATIONS

Battery	5 Ah / 11.1 V battery
Solar Panel	15 watt
Speed	Turbo mode : 1200 RPM Normal mode : XXXXX Low Mode : 900 RPM
Run time	Turbo mode : 7 hours Normal mode : XXXXX Low mode : 12 hours
Power consumption	Turbo mode : 8 watts Normal mode : XXXXX Low mode : 5 watts
Blade diameter	15 inch

### HAPPY USERS, AROUND THE WORLD

Present in 40 countries, the Sun King™ family of products addresses immediate needs of off-grid households around the world. High production quality and attention to durability ensures that Sun King™ customers can enjoy reliable performance for years and years around the world, the Sun King™ family strives to create an environment that empowers. Users to reach their potential and grow into happier, healthier and more productive people.

### Solar power for light, life and study

Samples & Inquiries: We need your help to make the world's best solar home lights available to families all over the world. For evaluation samples & partnership inquiries, please contact our team: sales@sunkingfan.com



### POWER AND PERFORMANCE

The Sun King™ solar fan unites advanced solar technologies with progressive design to deliver exceptional power and performance. Hence it delivers great comfort to off-grid household.

### HIGH-PERFORMANCE MOTOR

The motor produces increased efficiency and reliability and the progressive design reduces noise for ultra-quiet operation.

### VENTURI DESIGN

Its specialized body design maximizes the air flow for greater capacity and it is engineered to enhance the lifetime of the fan.

### FAN BLADES

Three-wing, polymeric blades are non-corrosive and minimize vibration for quiet operation. Its lightweight design reduces motor resistance for increased performance and reliability.